

॥ श्री स्वामी सामर्थ ॥

॥ श्री नवनाथ मंगलाष्टक ॥

|श्री गणेशाय नमः।

श्री स्वामी सामर्थाय नमः ।

आदिनाथ गुरुदेव नाथपंथी चालका।
वंदितो मी भक्तिभाव नित्यानाथा तव पादुका.
विश्व कर्ता उमाकांत नाथ शक्ति तुझी सकल
भक्त तुझा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

दीननाथा दत्तात्रेय नाथपंथी गुरुदेव
मंत्रसिद्धा, तंत्र सिद्ध योगीनाथ तुझी सेवा

अलख निरंजन वदता नाथ आदेश हा द्यावा
भक्त तुझा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम शिवमंगलम गुरुमंगलम॥

मत्स्येन्द्र नाथ माया देवा नाथपंथी योगिराज
कॉल ज्ञानी सिद्ध नाथ तापोधानी महाराजा

योग माया तुङ्गी सेवा मंत्र सिद्ध ज्ञान राजा
भक्त तुङ्गा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

गोरक्षनाथा योगी राजा नाथपंथी सुधारक
ज्ञान सिद्धि तापोधानी ध्यान समनी अवधूत चिन्तिका
साधकांचा गुरु होई योगी ठेवा साधका
भक्त तुङ्गा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

जालिंदर नाथ सत्यानाथा नाथपंथी तपोधनी
कापालिका ब्रह्म रूपा नित्य प्रिया योग समाधी
गुरुकृपा तुङ्गी सेवा मोक्ष सधे तव साधनी
भक्त तुङ्गा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

कानिफा प्रबुद्ध नारायणा नाथपंथी कापालिका
ब्रह्मचर्य तुङ्गा ठेवा सिद्ध नाथ कान्हुपा
ग्रन्थ करता योगिराज मंत्रसिद्धा गुरु सेवक
भक्त तुङ्गा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

गहिनिनाथा अचल्नाथा नाथपंथी सिद्धानाथा

तपयोगी मंत्रदेशी ज्ञान तुझे ज्ञान नाथ
भक्त सरे पन्धिला योगी तू पंढरी नाथा
भक्त तुझा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

रेवन नाथ दंड नाथा नाथपंथी दैवी माया
चर्पटी कुर्मनाथा रामपंथी योगमाया
नागनाथा नटेश-वरा योगसिद्धि गुरु छाया
भक्त तुझा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

भरतरी नाथ सत्यानाथा नाथपंथी हा बैरागी
नितिधर्मा राजयोग सिद्धामंत्र मंत्रयोगी
नाथपंथी सर्वव्यापी कलियुगी सिद्धयोगी
भक्त तुझा रक्षा नाथ कुर्यात सदा
मंगलम . शिवमंगलम, गुरुमंगलम॥

॥ श्रीगुरुदत्तात्रेयार्पणमस्तु ॥

॥ श्री स्वामी समर्थार्पण मस्तु॥
